आइये, संजोयें प्रकृति की विरासत

श्री नीतीश कुमार
माननीय मुख्यमंत्री, बिहार

श्री सुशील कुमार मोदी
माननीय उपमुख्यमंत्री,
पर्यावरण एवं वन विभाग, बिहार

पर्यावरण एवं वन विभाग
बिहार सरकार

जैव-विविधता पृथ्वी पर जीवन का आधार है। एक सुव्यवस्थित ईकोसिस्टम (Ecosystem) मे विभिन्न प्राकृतिक संसाधन जैसे वनस्पतियॉ, जीव जन्तु, भूमि, जल, वायुमंडल एवं मानव जीवन, संतुलन के लिये आवश्यक है। इनमे से हर एक संसाधन इस ईकोसिस्टम (Ecosystem) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और एक दूसरे पर निर्भर हैं। लेकिन अब इनमे से कुछ संसाधन या तो विलुप्त हो चुके है या विलुप्त होने के कगार पर है जिसका कुप्रभाव संपूर्ण प्रकृति और साथ ही साथ मानव जीवन पर भी पड़ रहा है।

विश्व की 33 चिन्हित जैव-विविधता के चर्चित स्थलों में से एक भारत भी इस कुप्रभाव से अछूता नही है। यहाँ की बढ़ती आबादी, जंगलो के विनाश और असंतुलित विकास के कारण कई स्थानीय प्रजातियॉ लुप्त हो चुकी हैं। यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो आने वाले समय मे यह मानव जाति के अस्तित्व के लिये भी खतरा हो सकता है।

जैव-विविधता मे उत्पन्न इस समस्या के निदान में विश्वसमुदाय की सहभागिता बढ़ाने के लिये संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रत्येक वर्ष 22 मई को जैव-विविधता दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष का थीम (Theme) समुद्री जैव-विविधता निर्धारित किया गया है ।

इस अवसर पर बिहार सरकार आपसे अपील करती है कि प्रकृति की दी हुई विरासत का उपयोग हम इस प्रकार करें जिससे कि हमारी आने वाली पीढ़ी को एक सुव्यवस्थित ईकोसिस्टम (Ecosystem) का उपहार मिल सके।

अधिक जानकारी के लिए देखें
www.cbd.int/idb/

INCL/EF/BD/H01